(b) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI Y. B. CHAVAN): (a) and (b). The World Bank has from time to time emphasised the importance of developing our mineral resources for meeting the growing demand for mineral products. The need for stepping up the pace of mineral development consistent with the growing demand for mineral products has been recognised in the Fourth Five Year Plan. It is proposed to step up domestic production of a number of mineral products in order to meet the expected growth of internal demand, to reduce imports and to take advantage of prospective export opportunities. Of the total public sector outlay amounting to Rs. 3,338 crores earmarked for development of organised industry and minerals during the Fourth Plan, Rs. 661 crores (or about 20 percent of the total) are earmarked for mineral development.

केरल तथा अन्य राज्यों को वित्तीय सहायता

3320. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केरल सरकार ने अपने अराजपत्रित कर्मचारियों को केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के समान मंहगाई-भत्ता देने के लिये केन्द्रीय सरकार से वित्तीय सहायता की मांग की है ;

(ख) यदि हां, तो क्या किसी अन्य राज्य ने भी केन्द्रीय सरकार से ऐसी मांग की है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) यह प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) राज्य सरकार को उत्तर भेजा गया है । जिसमें इस प्रकार के व्यय के लिये कोई सहायता देने में केन्द्रीय सरकार की असमर्थता के बारे में खेद व्यक्त किया गया है । राज्य सरकार को अपने कर्मचारियों की परिलब्धियों के स्तर के सम्बन्ध में कोई भी निर्णय, परिलब्धियों में किसी वृद्धि के औचित्य तथा साधनों की उपलब्धि, दोनों के बारे में अपने सम्यक् विवेक के आधार पर करना होता है ।

मध्य प्रदेश में केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों से व्यवसाय-कर की वसूली

3321. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में इस समय कुल कितने केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी हैं;

(ख) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश सरकार उन कर्मचारियों से आयकर की भांति एक प्रकार का व्यवसाय-कर वसूल करती है;

(ग) गत दो वर्षों में इस प्रकार उनसे कितनी कर-राशि वसूल की गई; और

(घ) इस प्रकार के कर को समाप्त करने के लिये केन्द्रीय सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) 31-3-1970 को मध्य प्रदेश में केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की संख्या 1,57,200 थी ।

(ख) जी, हां । केन्द्रीय सरकार के जो कर्मचारी व्यवसाय-कर अदा कर रहे हैं उनकी संख्या लगभग 5,000 बतायी गई है ।

(ग) 1968-69 में वसूल किये गये कर की रकम 1,65,000 रु० थी और 1969-70 में वसूल की गई रकम 2,15,000 रु० थी ।

(घ) व्यवसाय, व्यापार, आजीविका और रोजगार पर कर लगाना राज्य सरकार का विषय है जो भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 11 में शामिल किये गये हैं। एतदनुसार, इस कर को समाप्त करने के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यवाही करने का प्रश्न नहीं उठता।

तस्करी में अन्तर्ग्रस्त मुस्लिम लीग से सम्बन्धित व्यक्ति

3322. **श्री ओंकार लाल बेरवा:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केरल मुस्लिम लीग के अध्यक्ष का पुत्र तथा लीग से संबंधित अन्य व्यक्ति अरब देशों के साथ बड़े पैमाने पर होने वाले तस्कर व्यापार में अन्तर्गस्त पाये गये हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी पूरा ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) आरोप है कि केरल मुस्लिम लीग के अध्यक्ष का पुत्र तस्कर आयात-निर्यात में ग्रस्त है। लीग का कोई अन्य व्यक्ति तस्कर आयात-निर्यात में ग्रस्त नहीं पाया गया है।

(ख) सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा पकड़ी गई संश्लिस्ट कपड़े की 32 गांठों के, जिनका मूल्य 3,91,500.00 रु० है, अवैध आयात में तथाकथित सांठ-गांठ होने के कारण, केरल मुस्लिम लीग के अध्यक्ष के पुत्र श्री सय्यद मोहम्मद बफ्फाकी के कारोबार के स्थान की तलाशी 26 मई, 1970 को ली गई थी और कपड़े की एक खाली जाकेट, जिसमें प्राय: निषिद्ध सोना लाने-लेजाने में काम आनेवाली जेबें लगी हुई थीं, कपड़े की एक खाली कमर-पेटी (belt) जिसका प्रयोग भी प्राय: सोने को लाने-लेजाने में किया जाता है, टेट्रान (tetron) कपड़े के दो टुकड़े, दो सिलेण्डर जिनमें मेकेनिकल लाइटर में काम आने वाली गैस भरी थी, टेपरिकार्डर के चार टेप तथा अपराध आरोपणीय कुछ कागजात पकड़े गये थे। श्री सय्यद मोहम्मद बफ्फाकी थंगल को गिरफ्तार किया गया था और बाद में, मजिस्ट्रेट ने उसको जमानत पर छोड़ दिया। इस मामले में जांच-पड़ताल पूरी हो चुकी है और श्री थंगल तथा 11 अन्य अपराधियों को कारण बताओ ज्ञापन जारी किये गये हैं। इस मामले में, विभागीय न्याय-निर्णय की कार्यवाही शीघ्र ही पूरी हो जायगी। एक अन्य मामले में भी श्री थंगल की सांठ-गांठ होने का आरोप है, जिसमें दिनांक 9-7-70 को कोजिकोड़ में दो व्यक्तियों के पास से सोने की 198 छड़ें पकड़ी गई थीं। इस मामले में जांच-पड़ताल चल रही है।

Salaries and Service Conditions of Scientific and Technical Personnel

3323. SHRI R. K. BIRLA: Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the Indian National Science Academy meeting held on the 21st August 1970, as reported in the *Times of India* dated the 22nd August, 1970, in which the scientists have expressed their concern on the salaries and service conditions of scientific and technical personnel;

(b) whether a demand has been made that Government policies in the scientific and medical field be formulated by the right people and that the cooperation of medical and other scientists, politicians and the people should be obtained for the formulation of policies;

(c) if so, what is the reaction of Government thereto;

(d) whether in the light of the discussion, Government are contemplating to reorient their policy regarding seeking of maximum cooperation from the medical and other scientists; and

(e) if so, the details thereof?